# समस्या : हमलापुर में बने स्टॉप डेम के वाल्व से रिस रहा पानी

नवभारत न्यूज

**बैतूल, 14 सितंबर. नगरपालिका ने 2012 में जनभागीदारी से इमरजेंसी के लिए पानी स्टोर करने हमलापुर में स्टॉप डेम बनाया था, ताकि जरूरत पड़ने पर डेम से 50 मीटर की दूरी पर स्थित माचना नदी में यह पानी वाल्व खोलकर छोड़ा जा सके।**

**वाल्व नहीं झेल पा रहे पानी का प्रेशर**

**लीकेज के कारण इमरजेंसी में रखा पानी बह रहा**

जो माचना नदी के रास्ते 2 किलोमीटर दूर माचना एनीकट तक बहकर आ सके। उस समय तत्कालीन कलेक्टर बी चंद्रशेखर के प्रयासों से स्टॉप डेम बनाकर पानी रोकने की जनभागीदारी से योजना बनाई थी। लेकिन जनभागीदारी से बजट का इंतजाम नहीं हुआ। जिससे थोड़ा बहुत ही काम हो सका। इसमें स्टॉप डेम की मुख्य वॉल बनाने और इसकी तली में वॉल्व लगाने का काम किया था। उस समय कोठी बाजार में 2010 में डिस्मेंटल की पानी टंकी के वॉल्व निकालकर इस डेम के गेट में लगा दिए थे। यहां लगभग 5 करोड़ लीटर पानी रोकने के इंतजाम ही पहले किए थे। अब 15 करोड़ लीटर तक पानी रोकने का इंतजाम किया लेकिन पुराने वॉल्व पानी का दबाव सहन नहीं कर पा रहे हैं और लगातार गेट के पुराने वाल्व से पानी निकल रहा है। ऐसे में बारिश कितनी भी भरपूर हो जाए, स्टॉप डेम में पानी नहीं रुकेगा। केवल 75-75 हजार रुपए में नपा दो वाल्व नए लगा सकती थी। डेढ़ लाख रुपए में यह काम हो सकता था। लेकिन नगरपालिका नये वाल्व नहीं लगा रही है। जिससे पानी रिसता जा रहा है।

**बार-बार खुलने बंद होने से खराब होते है वाल्व:** बताया जाता है कि पेयजल सप्लाई के वाल्व समय के साथ बार-बार खुलने और बंद होने के कारण खराब हो जाते हैं। किसी भी स्टॉप डेम में इस तरह के पुराने वाल्व लगाना ठीक नहीं है। नए वाल्व लगाए जाने चाहिए, लेकिन नगरपालिका ने उस समय कोठी बाजार में 2010 में डिस्मेंटल की पानी टंकी के वॉल्व निकालकर इस डेम के गेट में लगा दिए थे। जिससे पानी का रिसाव होने लगा है और वाल्व से पानी का रिसाव लगातार बढ रहा है। इसे ठीक करवाकर टेंपरेरी इंतजाम भी किए जा सकते हैं। लेकिन इसके ओर भी नगरपालिका का ध्यान नहीं है। बताया जा रहा है कि स्टाप डेम से 50 मीटर दूर माचना नदी है। माचना नदी में पानी आने के बाद यह पानी 500 मीटर की दूर फिल्टर प्लांट के एनीकट तक पहुंचेगा।

इनका कहना है -
मुझे इस संबंध में जानकारी नहीं है। यदि वाल्व से पानी रिस रहा है तो इसकी जानकारी अधिकारियों को देकर ठीक कराया जायेगा।
**- धर्मेन्द्र राठौर, जल शाखा प्रभारी, नपा बैतूल**

स्टाप डेम का मुआयना करवाएंगे। यहां पर जलप्रदाय के इंजीनियरों को भेजा जाएगा। यदि वॉल्व में ज्यादा लीकेज है तो इसे सुधरवाया जाएगा। इस ओर ध्यान दिया जाएगा।
**-सतीश मंटसेनिया, सीएमओ, नपा बैतूल**

### 45 लाख का रिनोवेशन कराया, नहीं लगाए वाल्व

इमरजेंसी के लिए पानी स्टोर करने शहर की सीमा पर 45 लाख रुपए खर्च करके स्टॉप डेम का रिनोवेशन किया है। इसकी पानी स्टोरेज की क्षमता बढ़ाने के लिए ये काम करवाए हैं, लेकिन यहां स्टॉप डेम के गेट पर जो वाल्व लगे हैं ये पुराने वाल्व हैं। इस कारण वाल्व पानी का प्रेशर सहन नहीं कर पा रहे है और लगातार पानी रिस रहा है। बताया जा रहा है कि स्टाप डेम से 50 मीटर दूर माचना नदी है। माचना नदी में पानी आने के बाद यह पानी 500 मीटर की दूर फिल्टर प्लांट के एनीकट तक पहुंचेगा।

### नगरपालिका ने यहां करवाये है यह काम

नपा ने फरवरी 2025 में कंस्ट्रक्शन शुरू किया था। इस तालाब की कच्ची वॉल की जगह पर 250 मीटर की लंबी और पत्थरों की पिचिन बनाकर इसके ऊपर सैर के लिए लंबी सडक बनाने का काम किया है। 250 मी. लंबी पिचिन और सीढ़ियां बना चुके हैं। यहां सीमेंट की सीढ़ियों वाला घाट बनाया जा चुका है। 2012 में जो तालाब बनाया था, उस तालाब में कच्ची वॉल थी। लेकिन अब पत्थरों वाली पक्की वॉल और इसके ऊपर सड़क बनाई है। यह अधिकांश जगह 3 मीटर से लेकर पांच मीटर तक ऊंची है। 59 लाख के टैंडर नपा ने निकाले थे लेकिन बिलो रेट पर ये टैंडर हुए और 45 लाख की लागत से यह स्टोन पिचिन बनाने का काम किया।

## एक नजर में

### पितृतर्पण व भागवत आज से

**बैतूल।** मां माचना तट पर आज सोमवार प्रात- 10 बजे मां माचना का पूजन पश्चात पितृ तर्पण व श्रीमद भागवत कथा कलश यात्रा के साथ प्रारंभ होगी। कलश यात्रा प्रात- 10 बजे जो प्राचीन माता मंदिर, शंकर नगर होते हुए माचना तट ग्रीन सिटी फिल्टर प्लांट पहुंचेगी। कथा आयोजन समिति के आनंद प्रजापति ने बताया कि कथा का वाचन पंडित सुखदेव शर्मा द्वारा किया जाएगा। कथा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। समिति ने सभी से 21 सितम्बर तक चलने वाली कथा लाभ लेने का आग्रह किया है।

### पिछले 24 घंटे के दौरान 4.0 मिमी वर्षा दर्ज

**बैतूल।** जिले की औसत वर्षा 1083.9 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 861.8 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 945.6 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 14 सितंबर 2025 को प्रात- 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 4.0 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 14 सितंबर 2025 को प्रात: 8 बजे तक तहसील बैतूल में 0.2, घोड़ाडोंगरी में 2.0, चिचोली में 3.1, शाहपुर में 0.0, मुलताई में 11.0, प्रभात पट्टन में 3.2, आमला में 0.0, भैंसदेही में 6.0, आठनेर में 14.3 तथा भीमपुर में 0.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

### परगना स्तरीय सम्मेलन में 11 गांवों से जुटे युवा

**बैतूल।** युवा शक्ति को संगठित करने और समाज की आर्थिक एवं सामाजिक मजबूती के उद्देश्य से सूर्यवंशी ढोलेवार कुनबी समाज बैतूल के तत्वावधान में ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ परगना के ग्राम रातामाटी बुजुर्ग में परगना स्तरीय युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन समाज की एकता, जागरूकता और संगठन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता परगना मुखिया अरविंद घंगारे ने की। सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि युवा संगठन के जिला अध्यक्ष राकेश घंगारे, पूर्व जिला अध्यक्ष रेवती प्रसाद सरले, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं समाजसेवी नारायण सरले, पूर्व युवा जिला अध्यक्ष अजय घंगारे, पूर्व युवा जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सरले, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतेश घंगारे उपस्थित रहे।

# मांडू नदी में डूबा 17 साल का किशोर, रेस्क्यू टीम तलाश में जुटी

**बैतूल। एमपी-महाराष्ट्र सीमा पर बहने वाली मांडू नदी में रविवार को महाराष्ट्र का एक बह गया। किशोर की पहचान कुणाल बागड़े ( 17 ) के रूप में हुई है, जो महाराष्ट्र के मोरछी गांव का रहने वाला था।**

वह अपने दो दोस्तों के साथ बैतूल के सालबर्डी घूमने आया था, जहां नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह तेज बहाव में बह गया। मांडू नदी में इन दिनों तेज बहाव और बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं, जिससे रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी परेशानी आ रही है। माना जा रहा है कि किशोर नदी के तेज बहाव में काफी दूर तक बह गया होगा। बैतूल के आठनेर थाना पुलिस और एसडीआरएफ टीम, साथ ही महाराष्ट्र के अमरावती से पहुंची रेस्क्यू टीम मिलकर कुणाल की तलाश में जुटी हैं। लेकिन सुबह से जारी सर्च ऑपरेशन के बावजूद अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। कुणाल के साथ आए दोस्तों ने सबसे पहले महाराष्ट्र के मोरछी थाने और फिर रात को बैतूल के आठनेर थाना पहुंचकर जानकारी दी। इस पर एसडीआरएफ को तुरंत मौके पर भेजा गया। आठनेर थाने के एएसआई राज पहाड़े ने बताया कि मौके पर एएसआई संतोष चौधरी के नेतृत्व में टीम भेजी गई है। लेकिन क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क नहीं होने के कारण रेस्क्यू टीम से संपर्क भी मुश्किल हो रहा है। महाराष्ट्र के पीएसआई राहुल आठवले ने बताया कि किशोर की गुमशुदगी की रिपोर्ट पहले ही दर्ज की जा चुकी है। नदी के बहाव को देखते हुए सावधानीपूर्वक तलाश की जा रही है। दोनों राज्यों की टीमें संयुक्त प्रयासों से रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं।

**बैतूल में मजदूर की संदिग्ध मौत:** बैतूल। बैतूल के गंज थाना क्षेत्र के मांझी नगर में एक मजदूर की छत से गिरने से मौत हो गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय मनोज पिता जीवन सिहार के रूप में हुई है। मनोज निर्माण स्थलों पर सेंटरिंग का काम करता था। घटना के समय मनोज का बेटा काम पर गया हुआ था, जबकि घर पर उसकी दो बहनें मौजूद थीं। पुलिस और परिजनों के अनुसार, शाम को मनोज ने शराब पी थी और इसके बाद छत पर गया। वहां से वह कैसे गिरा, इसका पता नहीं चल पाया। गंभीर हालत में मनोज को जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने इस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

# महिलाओं को भी तर्पण करने का अधिकार

**मुलताई।** नगर के गायत्री मंदिर में श्राद्ध पक्ष में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में भाई बहनों के द्वारा अपने दिवंगत परिजनों की तृप्ति एवं मुक्ति के लिए सुबह 8 बजे से 9 बजे तक एवं 9 बजे से 10बजे तक दो पालियों में सामूहिक रूप से नि:शुल्क तर्पण एवं पिंडदान सम्पन्न किया जा रहा है। गायत्री परिवार के परिव्राजक योगेश साहू ,एवं पुरुषोत्तम साहू ने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव वेदमूर्ति तपोनिष्ठ पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने महिलाओं को भी अपने दिवंगत परिजनों एवं पूर्वजों के लिए तर्पण एवं पिंडदान करने का अधिकार दिया है। श्राद्ध पक्ष में पूर्वजों को पवित्र तीर्थों पर एवं पवित्र नदियों के जल से पुर्वजो के लिए तर्पण एवं पिंडदान करने से उन्हें तृप्ति, मुक्ति मिलती है और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता हैं। इसलिए गायत्री मंदिर में प्रतिदिन सैकड़ों लोगों द्वारा सामूहिक तर्पण कराया जाता है। प्रतिदिन दो पालियों में अपने पूर्वजों की तृप्ति शांति एवं मुक्ति के लिए ,तर्पण एवं पिंडदान करवाने आ रहे है। गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी यादोराव निंबालकर ने बताया कि सामूहिक तर्पण एवं पिंडदान करने गायत्री मंदिर मुलताई में प्रतिदिन सुबह 8 बजे तर्पण एवं पिंडदान नि:शुल्क करवा सकता हैं।

# स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत बैठक

**बैतूल।** 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलाए जा रहे स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए समस्त मुख्य खंड, खंड चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम, बीईई, बीसीएम की बैठक कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने बैठक में निर्देशित किया कि अभियान के तहत सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, शहरी ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में शिविर का आयोजन किया जाए। उन्होंने बताया कि विकासखंड स्तरीय शिविरों में जिले से विषय विशेषज्ञों की ड्यूटी लगाई गई, जो आने वाले हितग्राहियों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेंगे। 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक निर्धारित दिनांकों अनुसार शिविरों का आयोजन कर उनमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा, गर्भवती महिलाओं की गुणवत्तापूर्ण प्रसव पूर्व जांच, महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण, कैंसर की स्क्रीनिंग, एनीमिया परीक्षण एवं परामर्श, क्षयरोग स्क्रीनिंग, एवं आहार संबंधी परामर्श एवं महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी समस्याओं पर सेवाएं उपलब्ध कराई जाए।

# चित्रकूट से भ्रमण पर निकले रामसखा महाराज

**मुलताई।** जानकी कुंड चित्रकूट से भ्रमण पर निकले रामसखा महाराज शनिवार को पवित्र नगरी मुलताई पहुचे इस दौरान उन्होंने ताप्ती उदगम सरोवर में एक घंटा आसान किया तथा लोगों को आसन के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा यदि एक तरफ देखा जाए तो योग की विधि मनोविशेषको कि विधि से कहीं सरल है इसका अभ्यास कोई भी व्यक्ति कर सकता है, प्रत्येक मानसिक ग्रंथियां किसी दुर्भावना के कारण उत्पन्न होती है,योग आदेश करता है,मनुष्य को प्रति भावना करनी चाहिए आध्यात्मिक शांति के लिए मैत्री करुणा मुदिका का अभ्यास करना आवश्यक है इस तरह हमारे अनेक मानसिक ग्रंथियां आप ही नष्ट हो जाती है। मानो चिकित्सा विज्ञान के द्वारा अस्थाई रोग की विधि होती है योग के द्वारा मनुष्य के स्थाई रोग की निपुणता होती है। जब किसी विशेष व्यक्ति की कामनाएं क्लेश अत्यधिक बढ़ जाता है तब वह शारीरिक व्यवस्था मानसिक रोगी के रूप में उपस्थित होता है पर जिन लोगों को हम स्वस्थ समझते हैं पर वह भी पूर्णत: रोग से मुक्त नहीं है। वे सभी रोगी नहीं होते पर उनके मन में रोग की तैयारी होती रहती है मनुष्य का वास्तविक रूप मानसिक रोग है। कभी मनुष्य के जब यह रोग व्यक्त होता है। तब हम मनुष्य को रोगी कहते हैं पर रोग का इस प्रकार होना वास्तविक रूप के लक्षणों का दर्शन मात्र इस प्रकार का उपचार लोगों के लक्षणों का उपचार करता है योग योगी रोग की जड़ों को नष्ट करने की चेष्टा करता है योग चिकित्सा का परिणाम तुरंत नहीं दिखाई देता, योग से स्थाई लाभ पहुंचता है। मनुष्य अपने दृष्टिकोण को बदलकर ही स्थाई शांति तक पहुंच सकता है। हमारा सुख हमारे अंदर है अनेकों प्रकार के मानसिक रोगों का मूल कारण इस मनोवृत्ति के मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक रोग इसे आत्म चिंतन के लिए बाध्य करते हैं आध्यात्मिक चिंतन में योग मनुष्य को स्वालंबी बनता है। पराक्रमी बनता है। बाहरी चिकित्सा आत्मा की विश्वास को स्थित करती है।

# कृषि विभाग के संयुक्त दल ने फसलों का लिया जायजा

**बैतूल।** कृषि विज्ञान केंद्र बैतूल बाजार एवं कृषि विभाग के संयुक्त दल द्वारा 13 सितंबर को मुलताई विकासखण्ड के किसानों के खेतों पर भ्रमण किया। केंद्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक श्री आरडी बारपेटे, उपसंचालक कृषि डॉ. आनंद कुमार बड़ोनिया, सहायक संचालक कृषि सुरेन्द्र कुमार परहाते, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी मुलताई श्री घनश्याम घिघोडे, फसल बीमा के तहसील प्रतिनिधि सचिन झाडे एवं दीपान्शु हरोड़े द्वारा ग्राम परमंडल के कृषक भारत चौहान, श्री किशोरी झाड़े, तिलकचन्द्र बोरबन एवं ग्राम बाडेगांव के कृषक राजेश चौरे के खेतों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि सोयाबीन फसल में अतिवर्षा के कारण जड़ एवं तना सडन एवं अन्य फफून्द जनित रोग तथा तना मक्खी के कारण फसल पीली दिखाई दे रही है। पीला मोजेक रोग का प्रकोप बहुत कम है। केंद्र के वैज्ञानिक आरडी बारपेटे ने किसानों को बताया कि सोयाबीन फसल में पीला मोजेक रोग सफेद मक्खी से फैलता है। प्रारंभिक अवस्था में ही रोग के लक्षण पौधों पर दिखाई देने पर पौधों को जड़ से उखाड़ कर खेत से बाहर कर देना चाहिए।

# शोभापुर कॉलोनी में पुलिया पर रेलिंग का अभाव

**सारनी। शोभापुर में वार्ड क्रमांक 31 की पुलिया पर रेलिंग न होने के कारण किसी गंभीर दुर्घटना की आशंका हर समय बनी रहती है।**

**लोगों में बनी रहती है दुर्घटना की आशंका**

**लोगों ने की रैलिंग लगाने की मांग**

यह पुलिया काली माई जेरी चौक को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है, जिस पर दिनभर लोगों का आवागमन बना रहता है। पुलिया की ऊँचाई लगभग दस फीट है और रेलिंग न होने से आने-जाने वाले लोगों के संतुलन बिगड़ने पर किसी भी समय जनहानि जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कई बार इस विषय पर ध्यान दिलाए जाने के बावजूद नगर पालिका की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन शायद किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है। मांग है कि इस पुलिया पर शीघ्र रेलिंग लगाई जाए, ताकि सुरक्षित आवागमन कर सकें।

# क्षेत्र में बंदरों के आतंक से लोग परेशान, पकड़ने की मांग

**सारनी।** नगर पालिका क्षेत्र में काले मुंह के लंगूर और लाल मुंह के बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है। नगर पालिका द्वारा वर्षों से किए जा रहे ताल-मटोल प्रयास अब तक पूरी तरह असफल साबित हुए हैं। बंदरों के झुंड घरों की छतों पर धड़ल्ले से दौड़ते-फांदते रहते हैं, जिससे कई मकानों की सीमेंट सीटें टूट चुकी हैं। बड़े आकार के बंदर जब छतों पर 15-20 किलो वजन के साथ उछलते-कूदते हैं तो टिन सीट और सीमेंट की छतों का टूटना स्वाभाविक हो जाता है। इसके अलावा बिजली के तारों को भी कई बार नुकसान पहुँचा है, जिससे आम नागरिकों की जान पर खतरा मंडराता रहता है। लोगों ने बताया कि खाने-पीने की वस्तुएँ न मिलने पर बंदर आक्रामक हो जाते हैं और घरों में घुसकर नुकसान पहुँचाते हैं। नगर पालिका प्रशासन की गाड़ी भेज रहे हैं और कर्मचारी पकड़ने जा रहे हैं जैसी रट वर्षों से सुनाई दे रही है, लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। अब तक सिर्फ तामसगिन बनी नगर पालिका की कार्रवाई। सूत्रों के अनुसार, अब तक नगर पालिका ने केवल 40-50 बंदरों को पकड़कर दो- चार किलोमीटर दूर जंगल में छोड़ा है। लेकिन वे बंदर दोबारा नगर क्षेत्र में लौट आते हैं। इस तरह जनता की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि नगर प्रशासन की गोलमाल कार्यवाही और लापरवाही के चलते यह समस्या और गंभीर होती जा रही है। लोगों का कहना है कि नगर पालिका इस विषय पर गंभीर और ठोस कदम उठाए, वरना किसी बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसी घटना होने पर जिम्मेदार नगर पालिका परिषद सारनी अधिकारी को ही ठहराया जा सकेगा।

# डेढ़ साल से गुम नाबालिग बालक व बालिका दस्तयाब

**मुलताई। नवागत पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देश पर मुलताई पुलिस द्वारा डेढ़ साल से गुम को दो नाबालिक बालक-बालिका को दस्तयाब किया है।**

**पुलिस ने बालक-बालिका को किया परिजनों के सुपुर्द**

**डेढ़ साल से गुम थे बालक-बालिका**

टीआई देवकरण डहेरिया ने बताया थाना क्षेत्र के फरियादी द्वारा माह अप्रैल 2024 में अपनी नाबालिक बालिका को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट की गई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना मुलताई में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के एक सप्ताह बाद थाना क्षेत्र के ही एक अन्य फरियादी ने अपने नाबालिक बालक के बहला फुसलाकर ले जाए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर भी अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। दौराने विवेचना लगातार तलाश-पतारसी के प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तथा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मुलताई के मार्गदर्शन में थाना मुलताई पुलिस द्वारा लगातार गुमशुदा बच्चों की तलाश की जा रही थी। विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी पर ज्ञात हुआ कि दोनों नाबालिक बालक एवं बालिका गुजरात के गांधीधाम स्थित एक प्लाई बनाने वाले कारखाने में कार्य कर रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना मुलताई पुलिस की टीम गठित कर गांधीधाम, गुजरात रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा तत्परता एवं मेहनत से दोनों नाबालिकों को दस्तयाब कर सुरक्षित रूप से उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। बालक-बालिका को पाकर परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया।

उक्त कार्यवाही में थाना मुलताई प्रभारी निरीक्षक देवकरण डेहरिया, चौकी प्रभारी दुनावा उपनिरीक्षक सुनील सरयाम, उपनिरीक्षक मोनिका पटले, आरक्षक अभिषेक वाडिवा एवं महिला आरक्षक मेघा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### सेवानिवृत कर्मचारियों की मासिक बैठक आज

**बैतूल।** कोल माइंस सेवानिवृत कर्मचारी संघ एचएमएस जिला बैतूल की मासिक बैठक आज सोमवार 15 सितंबर को सुबह 11 बजे से शहीद भवन में आयोजित की जा रही है। बैठक में रिवाइज्ड पीपीओ सदस्यता वर्ष 2025-26, माह नवंबर में बनाए जाने वाले जीवित प्रमाण पत्र और 6 सूत्रीय मांग पत्र पर विशेष चर्चा की जाएगी। इस बैठक में संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारी और सदस्य महत्वपूर्ण निर्णयों व दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे। संघ के महामंत्री डीआर झरबडे ने बताया कि बैठक का उद्देश्य सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन और भत्तों से जुड़ी समस्याओं का समाधान निकालना और भविष्य में आने वाली परेशानियों से सदस्यों को समय रहते अवगत कराना है।

# हिंदी दिवस राष्ट्रीय एकता और संस्कृति का प्रतीक

**बैतूल।** मेरा युवा भारत बैतूल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित व ग्रीन आर्मी युवा मंडल बैतूल बाजार के सहयोग से बैतूल बाजार में 14 सितंबर 2025 हिंदी दिवस पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। यह पखवाड़ा 28 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम ब्रेनिएक्स इंटरनेशनल स्कुल के डायरेक्टर नीरज वर्मा, ग्रीन आर्मी युवा मंडल के अध्यक्ष गजेंद्र पवार के उपस्थिति में और धनंजय सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में शुभारंभ किया। कार्यक्रम में चित्रकला निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। चित्रकला निबंध के माध्यम से हिंदी भाषा के महत्व का उल्लेख किया। इस मौके पर नीरज वर्मा ने बताया कि हिंदी दिवस हमें हिंदी के महत्व और हमारी संस्कृति में इसकी भूमिका की याद दिलाता है। यह दिन हमें हिंदी के प्रति जागरूकता और इसके प्रचार-प्रसार के लिए प्रेरित करता है साथ ही हिंदी दिवस हमें राष्ट्रीय एकता और संस्कृति के प्रतीक के रूप में हिंदी के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। धनंजय सिंह ठाकुर ने बताया कि 14 से 28 सितंबर तक चलने वाले इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी जिसके अंतर्गत चित्रकला, निबंध, रंगोली, वाद विवाद, निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। जिसका समापन 28 सितंबर को किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन प्रतीक्षा जागडे ने किया व आभार नंदिनी नामदेव ने व्यक्त किया।